सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 1 | अंक 24 | अजमेर, सोमवार 10 जून 2024 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

मोदी 3.0 मंत्रिपरिषद के 71 सदस्यों ने ली शपथ

• राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन फिर सत्तासीन • मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी शुरू • अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी बने राज्यमंत्री • 3 कैबिनेट मंत्री• 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री• 36 राज्य मंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का रविवार को लगातार तीसरी बार राज्यारोहण हुआ जिसमें पिछली सरकार के अधिकांश वरिष्ठ मंत्रियों को स्थान देने के साथ राजग के घटक दलों के सात नए चेहरों को जगह दी गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रविवार शाम आयोजित एक भव्य समारोह में मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के 71 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में जम्मू कश्मीर से लेकर केरल तथा गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को स्थान दिया गया है। नई मंत्रिपरिषद में तीस कैबिनेटए पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री रखे गये हैं। मोदी 1962 के बाद ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाबी पाई है। मंत्रिमंडल में भाजपा के चार वरिष्ठ नेताओं राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जगत प्रकाश नड्डा को शपथ दिलाई गई है जो पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद मीडिया से बातचीत में संकेत दे दिया था कि उनकी तीसरी टीम में अनुभवी साथियों को बरकरार रखा जाएगा। नई सरकार में तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल यूनाइटेड को एक एक कैबिनेट और एक एक राज्य मंत्री का पद दिया गया है। जनता दल सेकुलर के प्रमुख एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी तथा हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा के नेता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के किसी भी नेता को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। सूत्रों के अनुसार राकांपा के अंदर की असहमतियों के कारण कोई नाम तय नहीं हो पाया। नई मंत्रिपरिषद में पिछली सरकार में मंत्री रहे 21 नाम नहीं हैं जिनमें अनुराग सिंह ठाकुर, स्मृति ईरानी,पुरषोत्तम रूपाला, राजीव चंद्रशेखर, नारायण राणे, साध्वी निरंजन ज्योति, महेन्द्र नाथ पांडेय जनरल वीके सिंह, अश्विनी चौबे, अर्जुन मुंडा, अजय मिश्रा टेनी और आरके सिंह प्रमुख हैं। चुनाव से पहले पंजाब में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए रवनीत सिंह बिट्टू को आनंदपुर साहिब सीट से पराजित होने के बावजूद मंत्रिपरिषद में स्थान दिया गया है।मंत्रिपरिषद में हरियाणा से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित तीन मंत्री बनाए गए हैं। जबकि पूर्वी दिल्ली से निर्वाचित हर्ष मल्होत्रा को भी राज्य मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। केरल की त्रिशूर सीट से निर्वाचित अभिनेता सुरेश गोपी तथा केरल भाजपा के महासचिव जार्ज कुरियन को राज्य मंत्री बनाया गया है। तेलंगाना प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष बंडी संजय कुमार को भी राज्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले मोदी ने आयोजन स्थल पर पहुंचते ही हाथ जोड़कर तथा झुककर उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। शपथ लेने के लिए जैसे ही मोदी का नाम पुकारा गया तो उपस्थित जनसमुदाय की हर्षध्वनि पूरे राष्ट्रपति भवन प्रांगण में गूंज गई। जनसमुदाय में अपने अपने क्षेत्र के मंत्रियों के शपथ लेने में लोगों का हर्षध्वनि से अभिनंदन करते रहे। इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड़, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ, राजनयिक एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। करीब पौने तीन घंटे बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम समाप्त होने के बाद विदेशी मेहमान राष्ट्रपति द्वारा आयोजित राजकीय भोज में शामिल हुए। राजग ने 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में 293 सीट जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है हालाकि इस बार भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है और उसे 240 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है।

NDA 3.0 :स्थिर समझे जाने वृश्चिक लग्न में मोदी ने ली शपथ

नई दिल्ली/देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आध्यात्मिक अभिरुचि किसी से छिपी नहीं है तथा वह ग्रह नक्षत्रों की चाल और उनके परिणामों में भी खासी रुचि रखते दिखे है और यही वजह है कि उन्होंने वर्ष 2019 की तरह इस बार भी रविवार को वृश्चिक लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

ज्योतिष शास्त्रियों के अनुसार वृश्चिक लग्न को ज्योतिष शास्त्र में स्थिर लग्न बताया गया है। इस लग्न में शपथ लेना कार्य में स्थायित्व और स्थिरता देने का काम करता है। साथ ही वृश्चिक लग्न को गुप्त रूप से काम करने वाला भी माना जाता है। ऐसे में सभी तथ्यों को ध्यान में रख मोदी ने रविवार 9 जून को शपथ ग्रहण के लिए शाम 7 बजकर 15 मिनट के बाद का समय चुना। ज्योतिष शास्त्र में चौघड़िया का भी बहुत महत्व है। रविवार शाम 5 बजकर 34 मिनट से 7 बजकर 18 मिनट तक उद्वेग चौघड़िया था। इस मुहूर्त में शुभ कार्य करने पर बेचैनी और परेशानी बनी रहती है। इसलिए 7 बजकर 18 मिनट पर उद्वेग चौघड़िया के बीत जाने पर प्रदोष काल में शुभ चौघड़िया शुरु होने पर प्रधानमंत्री ने तीसरी बार अपने पद की शपथ ग्रहण की।ऐसा पहली बार हो रहा है कि उन्होंने चुनाव परिणाम आने के महज 5 दिनों बाद शपथ ग्रहण की। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर 2019 में दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने तक चुनाव परिणाम आने के बादए 6 से 10 दिनों के भीतर शपथ ली। जबकि आज तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर उन्होंने चुनाव परिणाम आने के महज पांच दिनों में पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।3

स्मृति ईरानी अनुराग ठाकुर समेत इनको मंत्रिमंडल में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार शपथ ली लेकिन पिछली सरकार के कई अहम मंत्रियों को इस बार मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। जिनमें अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी भी शामिल हैं।लोकसभा चुनाव जीतने बाद भी मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में नारायण राणे,अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला को कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया है, जबकि कैबिनेट में जगह नहीं पाने वालों में अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, आरके सिंह, महेंद्र नाथ पांडेय का भी नाम है जो चुनाव हार गए हैं।

पिछली सरकार में राज्य मंत्री रहे अश्विनी कुमार चौबे जनरल वीके सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति, संजीव बालियान, राजीव चंद्रशेखर, दर्शना जरदोश, वी मुरलीधरन और मीनाक्षी लेखी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा अजय मिश्रा टेनी सुभाष सरकार जॉन बराला और निशीथ प्रमाणिक को भी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला है।

ये बने केबिनेट मंत्री

शपथ लेने वाले केबिनेट मंत्रियों में राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी,जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, डॉ एस जयशंकर, मनोहर लाल, एचडी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान,जीतन राम मांझी, राजीव रंजन सिंह, सर्वानंद सोनोवाल, वीरेन्द्र कुमार, राम मोहन नायडू, प्रह्लाद जोशी, जुएल ओरांव, गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरेन रिजिजू,हरदीप सिंह पुरी, डॉ. मनसुख मांडविया, जी किशन रेड्डी, चिराग पासवान, सीआर पाटिल शामिल हैं।

इनको मिला स्वतंत्र प्रभार

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ लेने वालों में राव इंद्रजीत सिंह, जितेन्द्र सिंह अर्जुन राम मेघवाल, प्रतापराव गणपत राव जाधव और जयंत चौधरी शामिल हैं।

इनको बनाया राज्य मंत्री

राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में जितिन प्रसाद, श्रीपद यशो नाइक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल, वी सोमन्ना, डॉ.चंद्रशेखर पेम्मासानी, प्रो. एसपी सिंह बघेल, शोभा करंदलाजे, कीर्तिवर्धन सिंह,बीएल वर्मा, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, डॉ.एल मुरुगन, अजय टम्टा, बंडी संजय कुमार, कमलेश पासवान, भागीरथ चौधरी, सतीश चंद्र दुबे, संजय सेठ, रवनीत सिंह बिट्टू, दुर्गादास उइके, रक्षा खडसे, सुकांत मजूमदार, सावित्री ठाकुर, तोखन साहू, राजभूषण चौधरी, भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, हर्ष मल्होत्रा, नीमूबेन बम्भानिया, मुरलीधर मोहोल, जॉर्ज कुरियन और पबित्र मार्गरेटा हैं।

सम्पादकीय

आर्थिक विकास के दृष्टि से वित्तीय वर्ष 2023-24 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ

उक्त सफलताओं के साथ ही भारत ने अपने आर्थिक विकास की दर को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023.24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतुए वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023.24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5,2 प्रतिशतए जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0,3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0,9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निश्चित ही बन जाएगा।

वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार परए वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासनए सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7०3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतुए कृषिए सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है।वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है। परंतु भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन परए आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ हीए निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

अजमेर में छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में शुक्रवार को विश्व हिन्दू परिषद की मातृशक्ति दुर्गावाहिनी की ओर से 11वीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म एवं ब्लैकमेल करने के मामले में कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया।अजमेर के डाक बंगले से पैदल मार्च करती हुई आक्रोशित मातृशक्ति नारेबाजी करते हुए कलक्टर डॉ भारती दीक्षित को ज्ञापन देने पहुंची। पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग लगाकर सभी को रोका गया और केवल पांच महिलाओं को अंदर जाने की अनुमति मिली। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी ज्ञापन देकर दोषी लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। प्रदर्शन में शामिल भारतीय जनता पार्टी भाजपा महिला मोर्चा की शहर अध्यक्ष भारती श्रीवास्तव ने आक्रोश व्यक्त किया। इस मौके पर विश्व हिन्दू परिषद अजयमेरू महानगर के पदाधिकारी व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

T20 World Cup: रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से हराया

न्यूयॉर्क। ऋषभ पंत 42 और अक्षर पटेल 20 रनों की पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को टी-20 विश्वकप के 19वें मुकाबले में छोटे स्कोर का बचाव करते पाकिस्तान को छह रन से हरा दिया है। 120 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पांचवें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने कप्तान बाबर आजम 13 को आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। उसके बाद मोहम्मद रिजवान और उस्मान खान ने पारी को संभालाने का प्रयास किया इसी दौरान 11वें ओवर में अक्षर पटेल ने उस्मान 13 को पगबाधा आउट कर दिया।

फख्र जमान13 हार्दिक का शिकार बने। 17वें ओवर में हार्दिक ने शादाब खान;4 को आउट कर भारत की मैच में वापसी कराई। इफ्तिखार अहमद 5 रन बनाकर आउट हुये। नसीम शाह चार गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 113 रन ही बना सकी और छह रन से मुकाबला हार गई।भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने तीन विकेट लिए। हार्दिक पांड्या को दो विकेट मिले। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक.एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान को जीत के लिए 120 रनों का लक्ष्य दिया था।नैसो काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वर्षा बाधित मैच में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में विराट कोहली 4 का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में कप्तान रोहित शर्मा 13 भी पवेलियन लौट गए। इसके बाद षभ पंत और अक्षर पटेल ने पारी को संभाला।भारतीय टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी इस दौरान आठवें ओवर में नसीम शाह ने अक्षर पटेल को बोल्ड कर पाकिस्तान को तीसरी सफलता दिलाई। पटेल ने 18 गेंदों में 20 रन बनाए। 12वें ओवर में हारिस रउफ़ सूर्यकुमार यादव 7 का विकेट चटकाते हुए पाकिस्तान की मैच में वापसी कराई। इसके बाद भारत ने लगातार पांच विकेट गवां दिए। शिवम दुबे 3हार्दिक पंड्या, 7रवींद्र जाडेजा शून्य, जसप्रीत बुमराह शून्य पर आउट हुये। अर्शदीप सिंह 9 पर रनआउट हुये। मोहम्मद सिराज ;7 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय पारी 19 ओवर में 119 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह और हारिस रउफने तीन -तीन विकेट लिए। मोहम्मद आमिर को दो विकेट मिले। शाहीन शाह अफ्रीदी को एक विकेट मिला।

तेरह साल की आयु से ही संघ से जुड़ गए थे राजनाथ सिंह

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग सरकार में रविवार को कैबिनेट मंत्री की शपथ लेने वाले वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह 13 वर्ष की छोटी सी उम्र से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे।वर्ष 1974 में सिंह भारतीय जनसंघ के साथ सक्रिय राजनीति में शामिल हुए। 1951 में एक किसान परिवार में जन्मे राजनाथ सिंह ने पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में लेक्चरर के तौर पर काम किया। आपातकाल के दौरान उन्हें दो साल तक हिरासत में रखा गया था। रक्षा मंत्री बनने से पहले वे पार्टीए राज्य और केंद्र सरकार में अहम भूमिका निभा चुके हैं।वर्ष 1991 में उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह सरकार में राजनाथ सिंह को शिक्षा मंत्री बनाया गया और इसी दौरान उन्होंने एंटी कॉपीइंग एक्ट लागू किया। 1999 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्हें केंद्रीय परिवहन मंत्री बनाया गया। वे 2000 से 2002 के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद उन्हें केंद्रीय कृषि मंत्री बनाया गया। वे दो बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्ष 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तो उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री नियुक्त किया गया। मोदी 2०0 में उन्होंने रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया।

मोदी के शपथ लेते ही भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल

जयपुर। राष्ट्रपति भवन में एक ओर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ले रहे थेए वहीं दूसरी ओर देशभर में आतिशबाजी जश्न और उत्सव का माहौल देखने को मिला।भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में भी ढोल.नगाड़ों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने नाचते.गाते और झूमते हुए मोदी के प्रधानमंत्री बनने की खुशी व्यक्त की। भाजपा कार्यालय में बड़ी स्क्रीन लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह को लाइव प्रसारण किया गया। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर भाजपा कार्यालय रंगीन रोशनी से सजाया गया।भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ देश के आमजन में एक अलग ही उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर भाजपा के युवा मोर्चाए महिला मोर्चाए ओबीसी मोर्चा सहित तमाम प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन ने प्रदेश कार्यालय पहुंचकर एक दूसरे का बधाई दी।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर और आतिशबाजी करके जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यालय मोदी.मोदी के नारों से गूंजायमान हो गया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामकिशोर मीणाए भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत, भाजपा प्रवक्ता केके जानू, भाजपा पैनेलिस्ट सुरेश गर्ग, मदन प्रजापत, विकास बारेठ, सुमित श्रीमाल, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री महेंद्र सिंह पंवारए भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल पार्थ भाजयुमो जयपुर शहर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पुरूवंशी, नमो एप प्रदेश सह संयोजक सुनील पाराशर, भाजपा मीडिया कार्यकारिणी सदस्य जीतमल पंचारिया, डॉ अखिल शुक्ला, जीएन पारीक, भवानी सिंह राजावत, सहित भाजपा पदाधिकारी, पार्षदगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

Streamline user friendliness in your hybrid mobile applications with Open-Source NPM Tool

Here's how cordova-plugin-facebook-account-kit benefits users and app developers: Effortless Login: Users can sign in with just their email address or phone number, a smoother experience than creating new login credentials.Reliable Experience: The plugin includes features to handle login successes and errors effectively, ensuring a dependable user experience.Customizable Look (Optional): You can adjust the login screen's appearance to match your app's design, creating a consistent and visually pleasing experience. The latest version (0.1.7, released in 2023) offers improved UI customization options.

About the Open-source contributor / developer:-Musaddiquie Husain's journey highlights a remarkable 10+ years career in India and United Kingdom in the ever-changing digital technology landscape. From building a strong foundation through his MCA and initial roles, he has grown into a tech lead with expertise across diverse areas.His experience with Microsoft technologies, microservices, mobile development, web development, cloud technologies and FinTech project showcases his ability to solve complex challenges.Musaddiquie has demonstrably contributed to successful product development. His passion for continuous learning extends beyond core development, as evidenced by his open-source contributions and collaborations.This combination of technical expertise, leadership, and a drive for innovation makes him a valuable asset. We wish him luck in his future projects and contributions and sharing his public LinkedIn profile here thus if you need any help, mentorship, even feedback regarding open-source work or even need consultation in your early careers to reach to him directly.

कंगना को थप्पड मारने वाली कुलविंदर कौर को नौकरी की फिक्र नहीं

चंडीगढ़। अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित रूप से थप्पड़ मारने वाली केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ;सीआईएसएफ जवान कुलविंदर कौर ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें नौकरी की फिक्र नहीं है।

कुलविंदर कौर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मुझे नौकरी की फिक्र नहीं है मां की इज्जत पर ऐसी हजारों नौकरियां कुर्बान हैं। इससे पहले एक और ट्वीट में उन्होंने जब बात स्वाभिमान की हो तो नौकरी ताज तख्त नहीं देखे जाते।कुलविंदर कौर ने कथित रूप से चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर कंगना रनौत को उनकी एक पुरानी टिप्पणी को लेकर थप्पड़ मार दिया थाए जिसमें रनौत ने किसान आंदोलन के दौरान 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन पर बैठी महिला किसानों पर सौ-सौ रुपए लेकर धरने पर बैठने का आरोप लगाया था।

राजस्थान में 18 लोकसभा चुनावों में 34 महिला सांसद बनी

जयपुर। पच्चीस लोकसभा सीट वाले राजस्थान में 18 लोकसभा चुनावों में अब तक 34 महिला सांसद बनी हैं जबकि दस संसदीय क्षेत्रों में महिलाएं अभी तक खाता भी नहीं खोल पाई हैं। हालांकि राज्य से निर्वाचित महिला सांसदों की संख्या 34 हैं लेकिन वास्तव में यहां से केवल 22 महिलाएं ही संसद तक पहुंची ह क्योंकि इनमें से कई एक से ज्यादा बार चुनाव जीती हैं। प्रदेश में भीलवाड़ा, बीकानेर, गंगानगर, चूरु, कोटा, पाली, जयपुर, ग्रामीण बाड़मेर, बांसवाड़ा एवं सीकर लोकसभा सीटों पर अभी तक कोई महिला सांसद नहीं बन पाई हैं। इस बार 18वीं लोकसभा के लिए राजस्थान से 19 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें तीन महिलाएं संसद पहुंची जिनमें भारतीय जनता पार्टी की जयपुर लोकसभा क्षेत्र से मंजू शर्मा एवं राजसमंद से महिमा कुमारी मेवाड़ तथा कांग्रेस की भरतपुर लोकसभा सीट से सजना जाटव शामिल हैं।राजस्थान में इन चुनावों में अब तक 437 सांसद संसद पहुंचे उनमें 34 महिला सांसद शामिल हैं। इन चुनावों में अब तक 4422 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा उनमें 222 महिलाएं शामिल थी जिनकी केवल 5.02 प्रतिशत उम्मीदवारी रही। आजादी के बाद करीब 72 सालों में राजस्थान से महिलाओं की संसद में केवल 7.79 प्रतिशत भागीदारी रही।

इस दौरान प्रदेश से महिलाओं की संसद में भागीदारी भले ही कम रही हो लेकिन इनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित ऐसी कई महिलाएं है जो एक से अधिक बार चुनाव जीतकर संसद पहुंची। इनमें राजे सर्वाधिक पांच बार संसद पहुंचकर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।अब तक हुए अठारह लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने पिछले 72 सालों में करीब 42 महिलाओं को टिकट दिया जबकि भाजपा ने पिछले लगभग 45 वर्षों में करीब 32 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा। इसी तरह इस दौरान अन्य दलों ने भी महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा।अठारह लोकसभा चुनावों में अब तक भाजपा की सर्वाधिक 17 महिला प्रत्याशी संसद पहुंची जबकि कांग्रेस की 13 एवं स्वतंत्र पार्टी की तीन एवं एक निर्दलीय महिला उम्मीदवार संसद पहुंचने में कामयाब रही हैं। इस दौरान राजे ने झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र से सर्वाधिक पांच बार वर्ष 1989, 1991, 1996, 1998 एवं 1999 में भाजपा प्रत्याशी के रुप में चुनाव जीता जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डॉ गिरिजा व्यास चार बार लोकसभा चुनाव जीता। डा व्यास ने वर्ष 1991, 1996 एवं 1999 में उदयपुर एवं वर्ष 2009 में चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व किया। डॉ व्यास ने सात बार लोकसभा का चुनाव लड़ा जिनमें तीन बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।इस दौरान पूर्व जयपुर राजघराने की राजमाता गायत्री देवी स्वतंत्र पार्टी के प्रत्याशी के रुप में वर्ष 1962 1967 एवं 1971 के लोकसभा चुनाव में जयपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने राजस्थान से पहली महिला सांसद निर्वाचित होने का गौरव भी हासिल किया। इसी तरह इस दौरान प्रदेश से लोकसभा चुनाव जीतने वाली महिलाओं में निर्मला कुमारी,उषा एवं जसकौर मीणा दो बार चुनाव जीतकर संसद पहुंची।पूर्व जोधपुर राजघराने की राजमाता कृष्णा कुमारी लोकसभा चुनावों में प्रदेश में एक मात्र निर्दलीय महिला प्रत्याशी के रुप में जोधपुर से चुनाव जीतकर संसद पहुंची। उन्होंने वर्ष 1971 का लोकसभा चुनाव जीता। इन चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाड़ियां की पत्नी इंदुबाला सुखाड़िया ने भी उदयपुर से वर्ष 1984 में लोकसभा चुनाव जीता।

इसी तरह पूर्व जोधपुर राजघराने की बेटी चन्द्रेश कुमारी कटोच ने जोधपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में वर्ष 2009, पूर्व जयपुर राजघराने की राजकुमारी दिया कुमारी ने वर्ष 2019 में राजसमंद से भाजपा प्रत्याशी तथा पूर्व भरतपुर राजघराने की महारानी दिव्या सिंह ने भरतपुर से वर्ष 1996 में भाजपा प्रत्याशी के रुप में लोकसभा चुनाव जीता। इसी प्रकार भरतपुर से ही भाजपा प्रत्याशी के रुप में कृष्णेन्द्र कौर ;दीपा ने वर्ष 1991, अजमेर से प्रभा ठाकुर ने वर्ष 1998 में कांग्रेस,ए वर्ष 2004 में उदयपुर से भाजपा की किरण माहेश्वरी एवं इसी चुनाव में जालोर से भाजपा की सुशीला, वर्ष 2014 में झुंझुनूं से भाजपा की संतोष अहलावत एवं वर्ष 2019 में भरतपुर से भाजपा की रंजीता कोली चुनाव जीतकर संसद पहुंची जबकि वर्ष 2009 में नागौर से ज्योति मिर्धा कांग्रेस उममीदवार के रुप में लोकसभा चुनाव जीता।वर्ष 1952 पहली लोकसभा में जनसंघ की उम्मीदवार रानी देवी भार्गव एवं निर्दलीय उम्मीदवर शारदा बाई ने चुनाव लड़ा लेकिन चुनाव हार गई। वर्ष 1957 दूसरे एवं वर्ष 1977 के छठे लोकसभा चुनाव में प्रदेश में एक भी महिला उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा जबकि तीसरे आम चुनाव में छह महिलाएं मैदान में उतरीं और उनमें केवल गायत्री देवी ने चुनाव जीता। इसी तरह वर्ष 1971 के लोकसभा चुनाव में चार महिलाओं ने चुनाव लड़ाए जिनमें दो महिला सांसद पहुंची। वर्ष 1980 के चुनाव में पांच महिलाओं में एक चुनाव जीत पाई। वर्ष 1984 में छह में से दोए वर्ष 1989 में फिर छह महिला चुनाव मैदान में उतरी लेकिन एक ही जीत पाई।वर्ष 1991 के चुनाव में 14 महिला चुनाव मैदान में उतरी और चार ने चुनाव जीतकर अपना कुछ दबदबा दिखाया। इसके बाद वर्ष 1996 के चुनाव में 25 महिला उम्मीदवारों में से चार संसद पहुंची। वर्ष 1998 में बीस में से तीन, 1999 में 15 में से तीन, 2004 में 17 में से दो 2009 में 31 में से तीन, 2014 में 27 में से केवल एक तथा वर्ष 2019 में 23 महिला प्रत्याशियों में से तीन महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची। इन चुनावों में वर्ष 2009 के चुनाव में सर्वाधिक 31 महिलाओं ने चुनाव लड़ा।

दिग्गज उद्यमी रामोजी राव का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

हैदराबाद। दिग्गज उद्यमी चेरुकुरी रामोजी राव का रविवार को रामोजी फिल्म सिटी के एमसीटी स्मृतिवनम में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।राव की अंतिम यात्रा सुबह साढ़े नौ बजे रामोजी फिल्म सिटी स्थित उनके आवास से शुरू हुई। उनके बड़े बेटे किरण प्रभाकर ने सुबह 11.30 बजे चिता को मुखाग्नि दी। वहां मौजूद परिवार के सदस्यों, पूर्व उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायड, राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, स्टूडियो कर्मचारियों और कनिष्ठ कलाकारों सहित हजारों लोगों ने नम आंखों से राव को अश्रुपूर्ण विदाई दी।राज्य सरकार ने दिवंगत रामोजी राव को श्रद्धांजलि देते हुए आंध्र प्रदेश में दो दिन रविवार और सोमवार का शोक घोषित किया है। फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल ने भी राव के सम्मान में आज फिल्म की शूटिंग रोक दी। राव का शव अंतिम संस्कार से पहले रामोजी फिल्म सिटी में उनके आवास पर रखा गया। जहां बड़ी संख्या में मशहूर हस्तियां उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ पड़ीं। तेलंगाना सरकार की ओर से मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने और आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से भारतीय प्रशासनिक सेवा ;आईएएस के तीन वरिष्ठ अधिकारी रजत भार्गव, साई प्रसाद और आर.पी.सिसोदिया अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

आंध्रप्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी राव के पार्थिव शरीर को कंधा दिया।उल्लेखनीय है कि 87 वर्षीय राव को शुक्रवार रात उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण नानकरामगुडा के स्टार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां शनिवार सुबह 4.50 बजे उनका निधन हो गया।रामोजी राव का जन्म 16 नवंबर 1936 को कृष्णा जिले के पेडापरुपुडी गांव में एक साधारण मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ। उनका रामोजी ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष एक प्रसिद्ध व्यवसायी और एक फिल्म निर्माता बनने तक का अविश्वसनीय सफर रहा। वह चेरुकुरी वेंकटसुब्बा राव और वेंकट सुम्माम्मा के पुत्र थे।राव की पहली नौकरी दिल्ली में एक विज्ञापन एजेंसी में एक कलाकार के रूप में थी। उन्होंने 19 अगस्त 1961 को रमादेवी से शादी की एवं 1962 में हैदराबाद चले गए रामोजी राव ने उसी वर्ष मार्गदारसी चिटफंड की आधारशिला रखी।

उन्होंने 1965 में किरण ऐड्स की शुरुआत की। 1969 में उन्होंने किसानों के लिए एक पत्रिका अन्नदाता लॉन्च की। 1970 में उन्होंने इमेजेज आउटडोर एडवरटाइजिंग एजेंसी की स्थापना की एवं 1972.73 में विशाखापत्तनम में डॉल्फिन होटल खोला। राव ने 10 अगस्त 1974 को विशाखापत्तनम में ईनाडु दैनिक लॉन्च किया जिसे दिसंबर 1975 में हैदराबाद लाया गया। 1976 में उन्होंने सितारा लॉन्च किया और 1978 में फिल्म प्रेमियों के लिए विपुला और चतुरा मासिक पत्रिकाएं पेश कीं।राव ने 1983 में उषाकिरण मूवीज की शुरुआत की। दुनिया के सबसे बड़े फिल्म स्टूडियो के रूप में मशहूर रामोजी फिल्म सिटी की स्थापना 1996 में हुई थी। 2002 में ईटीवी ने टीवी उद्योग में एक नए बदलाव की शुरुआत करते हुए छह क्षेत्रीय चैनल लॉन्च किए। राव को 2016 में केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

टेलीफोन ऑपरेटर से मंत्री पद तक पहुंचे अर्जुनराम मेघवाल फिर बने केन्द्रीय मंत्री

जयपुर। टेलीफोन ऑपरेटर से अपने करियर की शुरुआत के बाद केन्द्रीय मंत्री पद तक पहुंचने वाले अर्जुनराम मेघवाल एक बार फिर केन्द्रीय मंत्री के रूप में रविवार को शपथ ली।मेघवाल बीकानेर लोकसभा सीट से लगातार चौथी बार सांसद निर्वाचित हुये और उन्हें एक बार फिर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में फिर मंत्री बनाया गया है। मेघवाल राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी का प्रमुख दलित चेहरा माने जाते हैं।उनका 20 सितम्बर 1953 को बीकानेर जिले के किसमीदेसर में लखू राम मेघवाल और हीरा देवी के यहां हुआ। उन्होंने पाना देवी से शादी की और उनके दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। उन्होंने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय स्कूलों में हासिल की और बाद में बीकानेर के डूंगर कॉलेज से एमए और एलएलबी की डिग्रियां प्राप्त की।

मेघवाल शुरु से ही मेधावी रहे हैं और शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने टेलीफ़ोन ऑपरेटर के पद से अपना करियर शुरू किया। इसके बाद वह कलक्टर बने और बाद में सरकारी नौकरी से इस्तीफा देकर बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और वर्ष 2009 में पहली बार सांसद चुने गऐ। इसके बाद वह लगातार बीकानेर से लोकसभा चुनाव लड़ा और इस बार वह चौथी बार सांसद बने।अर्जुनराम मेघवाल ने इस बार चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी गोविंदराम मेघवाल को 55 हजार 711 मतों से हराया। अर्जुनराम को पांच लाख 66 हजार 737 मत मिले।

इससे पहले मेघवाल जल संसाधन राज्य मंत्री, वित्त कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम राज्य मंत्री, संसदीय कार्य राज्य मंत्री और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाल चुके हैं। मेघवाल को 2013 में सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से भी नवाजा गया था।

ब्यावर में सवा चार क्विंटल मिलावटी जीरा जब्त

अजमेर। राजस्थान में अजमेर संभाग के ब्यावर में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग के खाद्य सुरक्षा दल ने शनिवार को ब्यावर क्षेत्र के रीको क्षेत्र में कार्रवाई करके पाउडर मिला कर तैयार किया जा रहा 420 किलोग्राम जीरा जब्त किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दल ने ब्यावर क्षेत्र के रीको एरिया द्वितीय में चल रही मेसर्स किरण इंडस्ट्रीज का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इस फैक्ट्री में टेलकम पाउडर मिलाकर तैयार किया जा रहा 420 किलोग्राम जीरा बरामद हुआ। इसका नमूना लेकर जांच के लिये प्रयोगशाला भिजवाया गया है।

इनामी बदमाश को पुलिस हिरासत में भेजा

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के नसीराबाद थाना पुलिस ने एक हजार रूपए के ईनामी बदमाश को गिरफ्तार करने के बाद उसे अवकाशकालीन न्यायाधीश के समक्ष पेश करके 11 जून तक पुलिस हिरासत में लिया है।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि करीब 22 महीने पहले छतरपुर दिल्ली निवासी रवींद्र कुमार ने थाने में शिकायत की कि बंद कंटेनर की सील निकाल कर ब्ल्यू डाट कम्पनी के 15 लैपटॉप चोरी चले गए।उन्होंने बताया कि मामले में लम्बी जांच पड़ताल के बाद हरियाणा के नूंह जिले के शाहरुख खान 25 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

सीकर जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार देर रात भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए।नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार देर रात 11 बजकर 45 मिनट पर सीकर जिले में विभिन्न स्थानों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.9 दर्ज की गई।भूकंप के झटकों से लोग घरों से बाहर निकल आये।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114

Email ID sabgururunews@gmail.com

अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.

जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

अजमेर से दूसरी बार सांसद भागीरथ चौधरी पहली बार केन्द्रीय मंत्री बने

अजमेर/जयपुर। राजस्थान के किसान परिवार में जन्में भागीरथ चौधरी पहली बार केन्द्रीय राज्य मंत्री बने हैं। चौधरी का जन्म जून 1954 में राजस्थान के अजमेर जिले मानपुरा में एक किसान परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम रामचंद्र चौधरी और माता का नाम दाखा देवी है। वह लोकसभा चुनाव में अजमेर संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के रुप में दूसरी बार सांसद चुन गए हैं। इस बार चुनाव में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी को तीन लाख 29 हजार 991 मतों से चुनाव हराया। भागीरथ चौधरी को सात लाख 47 हजार 462 मत मिले।

इससे पहले वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में अजमेर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में भागीरथ चौधरी ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार रिज्जू झुनझुनवाला को चुनाव हराकर पहली बार संसद पहुचे थे। उन्होंने अजमेर जिले में किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने गए। वह वर्ष 2015-16 और 2016-17 में पर्यावरण संबंधी समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने किशनगढ़ से गत विधानसभा चुनाव भी लड़ा लेकिन चुनाव हार गए।

किन्नर समुदाय भी शपथ ग्रहण समारोह में उत्साह से शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री परिषद के रविवार को शपथ ग्रहण समारोह में किन्नर समुदाय भी पूरे उत्साह के साथ शामिल हुआ।मोदी के विशेष आमंत्रण पर किन्नर समुदाय का एक प्रतिनिधिमंडल शपथ ग्रहण समारोह स्थल राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में पहुंचा और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारी का मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने उनका स्वागत.सम्मान किया।

डॉक्टर कुमार ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और देश को आत्मनिर्भर बनाने में सबका सामूहिक प्रयास के साथ वंचित वर्गों को अंत्योदय के भावना के साथ गरिमामयी सम्मान और उचित भागीदारी सुनिश्चित करना है।

अंबानी-अडानी समेत उद्योग जगत की कई हस्तियां शामिल

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण के लिए आयोजित समारोह में रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख मुकेश अंबानी और उद्योगपति गौतम अडानी के साथ उद्योग जगत की कई हस्तियां मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में रविवार को मुकेश अंबानी ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। अंबानी अपने पुत्रों अनंत अंबानी और आकाश अंबानी के अलावा दामाद आनंद पीरामल के साथ समारोह में मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी उनकी पत्नी प्रीति और भाई राजेश अडानी के साथ उपस्थित थे। इनके अलावा आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला, एमआरएफ टायर के प्रमुख के साथ ही उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने भी शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)